अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2022) दिनांक : 17.12.2022

समय सीमा : 3 घंटा षष्ठम् वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

गतागत–40

प्र. 1 आगति व गति (कितनी व कहां-कहां से?) किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर दें– 24

(क) पृथ्वी पानी व वनस्पति में।

(ख) सम्यक दृष्टि में।

(ग) अवधि ज्ञान में।

(घ) हरिवास रम्यकवास के यौगलिक में।

(ङ) मति अज्ञान-श्रुत अज्ञान में।

(च) असंज्ञी तिर्यंच पंचेन्द्रिय में।

(छ) कृष्ण लेश्या वाले कृष्ण लेश्या में जाएं तो।

(ज) दूसरे तीसरे किल्विषिक तथा तीसरे से आठवें देवलोक में।

(झ) भवनपति पारमार्थिक आदि 51 जाति के देवों में।

(ञ) चक्रवर्ती में।

प्र. 2 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें– 16

(क) तिर्यंच के भेद।

(ख) तीसरी नरक व मध्य लोक में।

(ग) श्रावक में तथा कालोदधि में। कालोदधि में बादर तेजस्काय का भेद क्यों नहीं लिया गया?

(घ) तेजोलेश्या वाले तेजोलेश्या में जाएं तो?

(ङ) विभंग अज्ञान व कृष्ण पक्षी में?

नोट–आप देवों की संख्या, श्रृंखला आदि की संख्या लिखते हैं उनका स्पष्टीकरण कम से कम एक बार अवश्य करें अन्यथा प्रत्येक प्रश्न के अंक काटे जाऐंगे।

कायस्थिति–40

प्र. 3 किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर लिखें– 30

(क) बादर क्षेत्र पुदगल परावर्तन किसे कहते हैं?

(ख) विभंगज्ञानी की जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति व जघन्य उत्कृष्ट अंतर लिखते हुए बताएं कि उत्कृष्ट कायस्थिति किस अपेक्षा से है?

(ग) मनयोगी वचनयोगी की जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति व जघन्य उत्कृष्ट अंतर लिखते हुए बताएं कि उत्कृष्ट कायस्थिति किस प्रकार घटित हो सकती है?

(घ) अवधिदर्शनी की जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति व जघन्य उत्कृष्ट अंतर लिखते हुए बताएं कि उत्कृष्ट कायस्थिति किस प्रकार घटित हो सकती है?

(ङ) कृष्ण लेश्यी की जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति व जघन्य उत्कृष्ट अंतर लिखते हुए बताएं कि उत्कृष्ट कायस्थिति के पीछे क्या अपेक्षा है?

(च) द्वीन्द्रिय, त्रीन्द्रिय, चतुरिन्द्रिय की जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति व जघन्य उत्कृष्ट अंतर लिखते हुए बताएं कि उत्कृष्ट कायस्थिति के पीछे क्या अपेक्षा है?

(छ) छद्मस्थ अनाहारक की जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति व जघन्य उत्कृष्ट अंतर बताएं।

(ज) क्षयोपशम सम्यक्त्वी की जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति व जघन्य उत्कृष्ट अंतर बताएं।

(झ) उपशम वेदी की जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति व जघन्य उत्कृष्ट अंतर बताएं।

(ञ) मिथ्यात्वी की जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति व जघन्य उत्कृष्ट अंतर बताएं।

(ट) बादर पृथ्वी, अप, तेजस, वायु प्रत्येक शरीरी वनस्पति की जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति व जघन्य उत्कृष्ट अंतर बताएं।

प्र. 4 किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर लिखें– 10

(क) तिर्यंच की उत्कृष्ट एक भव की स्थिति बताएं।

(ख) छद्मस्थ आहारक की जघन्य कायस्थिति कितनी व किस अपेक्षा से है?

(ग) भाषक की जघन्य कायस्थिति कितनी व किस प्रकार घटित होती है?

(घ) कापोतलेश्यी की उत्कृष्ट कायस्थिति कितनी व किस अपेक्षा से है?

(ङ) शुक्ललेश्यी की उत्कृष्ट कायस्थिति कितनी व किस अपेक्षा से है?

(च) केवली समुद्घात में कितने व कौन समय अनाहारक के हैं?

(छ) आहारक शरीर किसे प्राप्त होता है तथा वह कितनी बार प्राप्त कर सकता है?

(ज) वर्गणा किसे कहते हैं और यह कितने प्रकार की होती है?

(झ) अपरीत किसे कहते हैं?

(ञ) तेजस्काय पर्याप्त की जघन्य एवं उत्कृष्ट कायस्थिति बताएं।

(ट) असंख्य वर्ष की आयु वाले मनुष्य व तिर्यंच मर कर कहां-कहां उत्पन्न हो सकते हैं?

गीतिका (पांचों वर्षों की)–20

प्र. 5 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर एक दो लाईन में लिखें– 4

(क) दुर्गति का प्रमाण पत्र किसे कहा गया है?

(ख) किस दान से दरिद्रता दूर होती है?

(ग) व्रत-अव्रत का पृथक्करण किन आगमों के आधार पर किया गया है?

(घ) ..... नगरी का स्वामी राजा..... बहुत प्रसिद्ध था। विमाता ने उसे.....बना दिया.....के कारण वह फंदे में डाला गया।

(ङ) भगवान ने मिथ्यात्वी किसे कहा है? इसका वर्णन किस सूत्र में आया है?

(च) देश मोह का व सर्व मोह का उपशम निष्पन्न भाव किन गुणस्थानों में पाया जाता है?

प्र. 6 किन्हीं चार पद्यों को अर्थ सहित लिखें– 16

(क) बंदीवानादिक.....नैं एं।

(ख) पाखंडियां.....जिम जाण।

(ग) द्रव्य खेतर.....पाई रे।।

(घ) वनखंड.....सुध होय।

(ङ) मोह नो.....तामो रे।

(च) इविरत सूं.....पारिखा ए।